

गा गा के लोरी ओ तोला झूलना झुलावा मईया



गा गा के लोरी ओ,
तोला झूलना झुलावा मईया,
गा गा के लोरी ओ,
चंदन काठ के झूलना बने हे,
फुले-फूल के झालर लगे हे,
रेशम लागे डोरी,
गा गा के लोरी ओ।

नव दिन अउ नव रथिया झुलाहु,
आबे ओ दाई नव राति म,
तरसत हे मोर नैना ओ मईया,
तोर दरस के खातिर न,
मोर हृदय तोर सुरता बसे हे,
काया म माया जइसे फसे हे,
चारो मुड़ा चहु ओरी,
गा गा के लोरी ओ,
तोला झूलना झुलावा मईया,
गा गा के लोरी ओ।

तोर भगतन अउ मैं ह मईया,
जस ल तोरे गावव ओ,
बारो महीना दिया जलावव,
आरती तोर सजावव ओ,
सेवक मन तोर पूजा करे माँ,
खाली झोली ओकर भरे न,
दिया बरे कई कोरी,
गा गा के लोरी ओ,
तोला झूलना झुलावा मईया,
गा गा के लोरी ओ।

गा गा के लोरी ओ,
तोला झूलना झुलावा मईया,
गा गा के लोरी ओ,
चंदन काठ के झूलना बने हे,
फुले-फूल के झालर लगे हे,
रेशम लागे डोरी,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>

गा गा के लोरी ओ।bd।



स्वर – महुरि शर्मा।
प्रेषक – मनमोहन साहू।
6268046938

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>